नमूनार्थ प्रश्नोत्तर पुस्तिका
Sample Question Answer Booklet

PART-I

Paper Code
GS-IV

306666

PART-II

306666

Paper Code
GS-IV

4/[redacted]/2021

February

रोल नंबर अंतर्राष्ट्रीय अंकों में लिखें - [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 0)

रोल नंबर शब्दों में लिखें - Akanksha Garhwal
7703837099 – PH. NO.

अभ्यर्थी द्वारा सावधानीपूर्वक भरा जावें।

Roll No.

0	0	0	0	0	0
1	1	1	1	1	1
2	2	2	2	2	2
3	3	3	3	3	3
4	4	4	4	4	4
5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6
7	7	7	7	7	7
8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9

अभ्यर्थी के अनुक्रमांक एवं पहचान पत्र को प्रवेश पत्र से मिलान पश्चात् ही वीक्षक बॉक्स में हस्ताक्षर करें :

वीक्षक द्वारा भरा जावें।

यदि अभ्यर्थी अनुचित साधन का उपयोग करते हुए पाया जाता है, तो वीक्षक निम्नांकित गोले को काले/नीले पेन से भरें एवं तत्काल केन्द्राध्यक्ष को सूचित करें :

○

SECTION -A

खंड- 'अ'

प्रश्न 1. इस प्रश्न में 15 अतिलघुत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 20 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है।

Question.1 This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 20 words. All questions are compulsury. Each question carries 03 (Three) Marks

3x15=45

प्रश्न: (1.1) बुद्ध के अनुसार तीन स्वर्णिम मार्ग क्या हैं ? उल्लेख कीजिए।

What are the three golden paths according to Buddha? Point out.

पू./M = 03

प्राप्तांक

A)

उत्तर: अर्थशास्त्र के रचयिता - कौटिल्य है। जिसमें उन्होंने मौर्य शासन संबंधी आर्थिक विशेषताओं एवं प्रणाली को संदर्भित किया है।
इसमें राज्य के (7) अंगों का वर्णन भी शामिल है।

प्रश्न: (1.2)

पू./M = 03

प्राप्तांक

B)

उत्तर: तुलसीदास जी एक महान कवि, चिंतक एवं रामायण के हिन्दी रचनाकार हैं, जिन्होंने ऐसे ईश्वर को पूजने की बात की जिसकी सामाजिक स्वीकृति अधिक है। जैसे - राम।

प्रश्न: (1.3)

पू./M = 03

C

उत्तर: 1973- केशवानंद बनाम केरल सरकार वाद में संविधान के मूल ढांचे में संशोधन मुद्दे पर निर्णय आया था जिसके तहत - मूल ढांचे में संशोधन नहीं किया जा सकता।

प्रश्न: (1.4)

पू./M = 03

प्राप्तांक

D

उत्तर: महात्मा गांधी के सर्वोदय सिद्धांतानुसार - सभी व्यक्तियों के एकसमान विकास व समानता को फलीभूत करने से है। यह ट्रस्टीशिप सिद्धांत के माध्यम से संपन्न किया जा सकता है।

प्रश्न: (1.5)

पू./M = 03

प्राप्तांक

E

उत्तर:

SECTION -A

खंड- 'अ'

प्रश्न 1. इस प्रश्न में 15 अतिलघुत्तरीय उप प्रश्न हैं. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 20 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है।

Question.1 This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 20 words. All questions are compulsury. Each question carries 03 (Three) Marks

3x15=45

पू./M = 03

प्राप्तांक

प्रश्न: (1.6)

F

उत्तर:

पू./M = 03

प्राप्तांक

प्रश्न: (1.7)

G

उत्तर: सतनाम अर्थात ऐसा गुरु/भगवान जिनका नाम अनेक परन्तु एक ही हो अर्थात उनकी शिक्षाएं, उपदेश समस्त प्राणियों के लिए एकसमान हो।
यह अवधारणा गुरुनानक देव जी द्वारा दी गई है।

पू./M = 03

प्राप्तांक

प्रश्न: (1.8)

H

उत्तर: यह एक ऐसी योग्यता है. जिसमें व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति, विचार, संस्था, प्राणीमात्र की मनः स्थिति को समझने में समर्थ होता है।
उदा०- बिन माँ के बच्चे द्वारा किसी बच्चे की मां के निधन पर समानुभूति

पू./M = 03

प्राप्तांक

प्रश्न: (1.9)

I

उत्तर: रूढ़िवादिता से तात्पर्य - किसी विचार, धर्म आदि से संबंधित मान्यता जिसमें स्थायित्व अधिक होता है।
- यह सामान्यतः अपरिवर्तनशील एवं सका. एवं नका. दोनों हो सकती है। जैसे - सजातीय विवाह आदि।

पू./M = 03

प्राप्तांक

प्रश्न: (1.10)

J

उत्तर: भावनात्मक प्रबंधन - व्यक्ति विशेष के भावों का नियंत्रण है। जिसके माध्यम से वह उस अनुसार कार्य संपन्न कर सकता है।
लाभ - निर्णय प्रक्रिया एवं नैतिक मूल्य सही प्रयोग।

SECTION -A
खंड- 'अ'

प्रश्न 1. इस प्रश्न में 15 अतिलघुत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 20 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है।

Question.1 This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 20 words. All questions are compulsory. Each question carries 03 (Three) Marks — 3x15=45

प्रश्न: (1.11) — पू./M = 03 — प्राप्तांक

उत्तर: नैतिक चिंता से तात्पर्य, ऐसा कोई कार्य या स्थिति जिसमें किसी नैतिक पक्ष का उल्लंघन हुआ हो या होने की संभावना हो जिसमें लाभ ही क्यों न निहित हो।
उदा० - गोपनीय सूचनाओं का रहस्योद्घाटन करना।

प्रश्न: (1.12) — पू./M = 03 — प्राप्तांक

उत्तर: निष्पक्षता से तात्पर्य, तटस्थ रहकर वस्तुनिष्ठ आधार पर बिना किसी का हित साधे निर्णय लेना।
- इसमें निर्णय सदैव वस्तुनिष्ठ आधार पर लिए जाने चाहिए।

प्रश्न: (1.13) — पू./M = 03 — प्राप्तांक

उत्तर: सुशासन आधारभूत मूल्य: सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता, के अलावा - ईमानदारी, जवाबदेहिता, असमर्थकमावादी, करुणा, दया आदि शामिल है।

प्रश्न: (1.14) — पू./M = 03 — प्राप्तांक

उत्तर: भ्रष्टाचार से तात्पर्य - अपने पद का दुरुपयोग कर किसी अन्य व्यक्ति या स्वयं को लाभ पहुंचाने से है।
प्रभाव - शासन पर नकारात्मक असर एवं पारदर्शिता ↓
उपाय - लोकपाल - लोकायुक्त अधिनियम आदि।

प्रश्न: (1.15) — पू./M = 03 — प्राप्तांक

उत्तर: महत्व: प्रशासन में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व भाव ↑
जनता का प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ेगा।
- भ्रष्टाचार में कमी एवं सुशासन की स्थापना।
लोकसेवक की विश्वसनीयता में वृद्धि संभव।

SECTION -B

खंड- 'ब'

निर्देश निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंकों का है।

Note Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x15=90

प्रश्न: (2.1) मनोवृत्ति का अर्थ एवं विशेषताएं समझाइए। पू./M – 06

Explain the meaning and characteristics of attitude.

प्राप्तांक

उत्तर: A)

कबीर मध्यकालीन समाज के महान चिंतक, समाज सुधारक एवं रचनाकार है जिन्होने समाज में व्याप्त कुरीतियों एवं असमानता पर प्रहार कर सामाजिक चेतना को जगाने का प्रयास किया।

कबीर मध्यकाल की विषम व अंधकारमय समय में ज्ञान का आलोक लेकर आये थे, उनके सामाजिक चिंतन के अहम बिन्दु निम्न है:

- वे हिन्दू-मुस्लिम धर्म के समन्वय पैगम्बर थे एवं समाज में समन्वयवादी दृष्टिकोण रखते थे।
- उन्होने जातिप्रथा पर प्रहार कर मानव गरिमा को प्रतिस्थापित करने का प्रयास किया।
- जातिवाद को समाज में अवरोधक मानते हुए कहा – "जाति-पाति पूछै नहिं कोई
  हरि को भजै सो हरि को होई।"
- समाज में प्रचलित सामाजिक बुराई पर प्रहार कर सती प्रथा, बालविवाह का विरोध किया।
- समाज में शोषक शोषित भेद मिटाकर समन्वय पैदा करने का प्रयास किया।
- मानवतावादी दृष्टिकोण - मानव को केंद्र में रखकर समस्या समाधान का प्रयास किया।
-

SECTION -B

खंड- 'ब'

निर्देश निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंकों का है।

Note Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x15=90

प्रश्न: (2.1) Continued (जारी)

- उन्होंने कुछ दोहों के माध्यम से समाज में व्याप्त कुरीतियों एवं प्रवृत्तियों को समाप्त करने का प्रयास किया।

जैसे - पाहन पूजें हरि मिले, तो मैं पूजूं पहार।
- कांकर पात्थर जोरि के, मस्जिद लई बनाए,
ता चढ़ मुल्ला बांग दे क्या बहरा हुआ खुदाय।।
- गुरु गोविन्द दोऊ खड़े काके लागूं पाय,
बलिहारी गुरु आपने, गोविन्द दियो बताए।।

निष्कर्षतः कबीर ने मध्यकाल में भटकती जनता के माध्यम से वर्तमान में भी समाज सुधार का प्रयास किया।

SECTION -B

खंड- 'ब'

निर्देश निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंकों का है। 6x15=90

Note Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

पू./M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न: (2.2)

B)

उत्तर:

तुलसीदास जी महान कवि, चिंतक, दार्शनिक एवं रचनाकार हैं जिन्होंने रामायण जैसे ग्रंथ का हिन्दी अनुवाद कर ईश्वर के मार्ग का रास्ता बनाया।

तुलसीदास जी अन्य रचनाएं- रत्नावली, गीतावली, विनयपत्रिका, आदि है।

तुलसीदास जी ने अपने धार्मिक, राजनीतिक दर्शन के माध्यम से समाज को भक्ति मार्ग की ओर अग्रसर किया।

प्रमुख बिन्दु:

- उन्होंने ईश्वर के ऐसे स्वरूप (राम) के प्रगत को माना जिसकी सामाजिक स्वीकृति हो।
- ईश्वर के मनन एवं भक्ति के माध्यम से ही मोक्ष की प्राप्ति संभव है।
- ईश्वर का साक्षात्कार - ईश्वरीय प्रेम एवं भक्ति से ही संभव है।
- उन्होंने ईश्वर के सगुण, साकार एवं व्यक्तित्वपूर्ण अवधारणा को स्वीकारा।
- आत्मा को अजर-अमर, शाश्वत एवं ईश्वर का ही एक अंश माना।
- उन्होंने जगत की सत्ता को स्वीकार। जिसके कण-कण में राम की महत्ता की मौजूदगी शामिल है।

SECTION -B

खंड- 'ब'

निर्देश निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छ:) अंकों का है।

Note Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x15=90

प्रश्न: (2.2) Continued (जारी)

वस्तुतः तुलसीदास जी की रचना में तत्कालीन परिस्थितियों का प्रभाव दृष्टिगोचर होता है, जो उनके व्यक्तिगत जीवन से भी प्रभाव रखता है।

निष्कर्षतः भक्ति मार्ग के चिंतन की दिशा में तुलसीदास जी का अहम योगदान रहा है।

SECTION -B

खंड- 'ब'

निर्देश निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छ:) अंकों का है। 6x15=90

Note Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

पू/M = 06

प्राप्तांक

प्रश्न: (2.3)

D

उत्तर: सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता, समाज सुधारक, लेखक एवं भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति है।

राधाकृष्णन जी के दर्शन में आध्यात्म एवं नैतिक विचारों के प्रति गहन निष्ठा शामिल है।

उनके दर्शन के प्रमुख बिन्दु निम्न है:

- उनका अद्वैतवाद एवं नव वेदांती परंपरा पर गहरा विश्वास है
- वे स्वामी विवेकानंद के दर्शन से अधिक प्रभावी थे।
- उन्होंने हिन्दू धर्म दर्शन श्रेष्ठता को सिद्ध करने का प्रयास किया एवं इसे निरंतर गतिशील माना।
- उनके अनुसार- हिन्दुत्व गति है - न कि स्थिति यह प्रक्रिया है - न कि परिणाम एवं यह विकासशील प्रक्रिया है न कि ईश्वरीय ज्ञान।
- उनके अनुसार - हिन्दू धर्म व दर्शन मनुष्य को अपने व्यक्तित्व का साक्षात्कार करने की प्रेरणा देता है।
- उन्होंने कर्मकाण्ड से बंधे हिन्दू दर्शन को नहीं माना एवं इसका विरोध किया।
- उन्होंने अद्वैतवेदान्त की तरह जगत को मिथ्या नहीं माना अपितु जगत की वास्तविक सत्ता को स्वीकार किया।